

सेबी के अध्यक्ष श्री तुहिन कांत पाण्डे द्वारा
“भारत अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला 2025” में
“भारत का शेयर बाजार” पवेलियन में संबोधन - 14 नवम्बर, 2025

अपनी बात रखने से पहले मैं आज इस पवेलियन में पधारे सभी लोगों का तहे-दिल से स्वागत करना चाहूँगा ।

आज यहाँ इस 44वें अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में इस पवेलियन (जिसका नाम है - “भारत का शेयर बाजार”) के शुभारंभ के अवसर पर आप सभी के बीच उपस्थित होकर मुझे बेहद खुशी हो रही है ।

इस पवेलियन को एक प्रदर्शनी का नाम देना ठीक नहीं होगा, क्योंकि यह पवेलियन एक ऐसा मंच है, जहाँ हमें आम जनता तक (फिर चाहे वे हमारे छात्र हों, गृहिणियाँ हों, या फिर **entrepreneurs** हों और या फिर वरिष्ठ नागरिक हों) अपनी बात पहुँचाने का और उन्हें हर जरूरी जानकारी देने का एक उपयुक्त अवसर मिलता है, और इस तरह से पवेलियन में आने वाले लोग भी लाभान्वित होते हैं ।

इस मंच के जरिए हमारी यही कोशिश रहेगी कि हम लोगों से सीधे जुड़ें, यह समझें कि आखिर उनकी जरूरतें क्या हैं, उनके सुझाव (feedback) लें और साथ ही साथ हम लोगों को यह भी बताएँ कि भारत के शेयर बाजार (securities market) में उनके लिए निवेश के क्या-क्या अवसर मौजूद हैं और उन्हें क्या एहतियात बरतनी चाहिए ।

यह पवेलियन सेबी, MIIs, AMFI, RTAs और NISM का एक सामूहिक प्रयास है, और मुझे इस बात का पूरा भरोसा है कि यह पवेलियन निवेशकों को जागरूक करने की दिशा में निश्चित ही एक अहम भूमिका अदा करेगा और समाज के हर वर्ग के लोग इससे लाभान्वित होंगे ।

Financial Literacy – हर भारतीय के लिए जरूरी

तकनीक के इस युग में आज हम देखते हैं कि पूरी दुनिया ही एक दूसरे के करीब आ चुकी है, यानि कि interconnected हो चुकी है, तो फिर ऐसे में आज यह सबके लिए जरूरी हो गया है कि सभी को पढ़ाई-लिखाई के साथ-साथ आर्थिक मामलों की और निवेश से जुड़े पहलुओं की भी समझ हो । जीवन के हर पड़ाव में अपनी-अपनी जरूरतों के हिसाब से सभी को यह तो सोचना ही पड़ता है कि पैसा कैसे बचाया जाए और कहाँ निवेश किया जाए, ताकि भविष्य में पढ़ाई-लिखाई के लिए या करियर शुरू करने के लिए आगे चलकर कोई दिक्कत न आए और retirement के बाद भी पैसों को लेकर कोई दिक्कत न रहे । इसलिए आपको कल की सोचकर आज ही निवेश के सही फैसले लेने होंगे ।

इसलिए मैं यही कहूँगा कि - “आज की जानकारी, आगे की समझदारी” । जब आप यह जान जाएँगे कि कड़ी मेहनत से कमाया गया पैसा कैसे बचाया जाए, उसे कहाँ निवेश किया जाए और उसे कैसे सुरक्षित रखा जाए, तो याद रखें कि ऐसा करके आप न केवल अपना भविष्य सुरक्षित करेंगे, बल्कि देश की आर्थिक मजबूती में भी कहीं न कहीं आपका योगदान दर्ज होगा । अगर निवेशक अक्लमंदी से निवेश करेंगे तो निश्चित ही वे अपनी आकांक्षाओं को पूरा कर पाएँगे। यह कहने की बात नहीं है कि अक्लमंद लोग न तो गुमराह करने वालों या छल करने वालों के झांसे में कभी आते हैं और न ही वे आनन-फानन में कभी अपने निवेश के फैसले लेते हैं।

इसलिए मैं यही कहूँगा कि अक्लमंदी से सोच-समझकर और पूरी जानकारी हासिल करके ही निवेश करें, और मैं तो यह भी कहूँगा कि बेहतर यही है कि निवेश लंबे समय के लिए किया जाए ।

भारत में निवेश का बढ़ता दायरा

आज अगर आप देखें तो भारत के बाजार (capital market) में लोग बढ़-चढ़कर निवेश कर रहे हैं, जिससे यह साफ पता चलता है कि लोगों का भरोसा हमारे बाजार पर लगातार बढ़ रहा है। पिछले कुछ वर्षों से निवेशकों की तादाद भी तेजी से बढ़ती जा रही है । अक्टूबर 2025 तक के आँकड़ों की बात करें, तो भारत में लगभग 13.6 करोड़ निवेशकों के 21 करोड़ से ज्यादा डीमैट खाते हैं – जो इस बात का सबूत है कि हमारे बाजारों पर लोगों का भरोसा किस तरह से बढ़ा है ।

इतना ही नहीं, हर रोज लगभग एक लाख नए डीमैट खाते खोले जा रहे हैं । हमारी mutual fund industry में ₹80 ट्रिलियन से भी ज्यादा का निवेश हुआ है, और इस तरह से केवल एक दशक में सात गुना से भी ज्यादा की बढ़ोतरी देखने को मिली है । ये आंकड़े उत्साहवर्धक तो हैं, लेकिन साथ ही साथ इससे हमारी यह सुनिश्चित (ensure) करने की ज़िम्मेदारी भी बढ़ जाती है कि निवेशक (खासकर वे निवेशक जो पहली बार निवेश कर रहे हों) निवेश पूरी तरह से सोच-समझकर करें और पूरी एहतियात भी बरतें ।

हाल ही में करवाए गए निवेशक सर्वेक्षण 2025 से भी ये बातें सामने आई हैं । यह सामने आया है कि जहाँ भारत में 63% households को securities market के products की जानकारी है, वहीं सिर्फ 9.5% ही असल में निवेश कर रहे हैं । Financial inclusion का मतलब केवल access देना नहीं होता, बल्कि यहाँ यह भी देखना जरूरी है कि कितने लोग निवेश के पहलुओं की जानकारी रखते हैं और उन्हें market पर भरोसा है भी या नहीं, इसलिए यहाँ जरूरी यह है कि हम awareness (जागरूक करने) और participation (निवेश करने) के बीच के फर्क को दूर करने का काम करें । इसे ध्यान में रखकर हमें अपनी कोशिशें जारी रखनी होंगी ।

Investor protection (निवेशक संरक्षण) करके और Awareness (जागरूकता) लाकर भरोसा कायम करना होगा

सेबी सभी market institutions के साथ मिलकर investor protection और investor awareness की दिशा में पूरी मशक्कत से जुटा हुआ है। हमारा लक्ष्य साफ है - investors के interest (निवेशकों के हितों) की रक्षा की जाए, प्रक्रियाओं को आसान बनाया जाए और निवेशकों में भरोसा पैदा किया जाए।

हाल ही में हमने जो कदम उठाए हैं, उनमें से कुछ इस प्रकार हैं:

- हमने लोगों के लिए देश के कोने-कोने में MIIs और AMFI के साथ मिलकर investor awareness programmes (निवेशक जागरूकता कार्यक्रम) चलाए हैं।
- हमने “Validated UPI Handles” और “SEBI Check” की सुविधा शुरू की है, ताकि आप intermediary के bank account या UPI ID की पुष्टि कर सकें - यह सुविधा सेबी के सारथी ऐप और वेबसाइट पर दी हुई है।
- हमने यह सुविधा भी दी है कि शेयर या पैसा सीधे निवेशकों के demat या bank accounts में जमा हो जाए, ताकि misuse (गलत इस्तेमाल) की गुंजाइश ही न रहे।
- अब गड़बड़ी की कोई गुंजाइश नज़र आने पर निवेशक अपने account को freeze / block भी करवा सकते हैं, ताकि उनका पैसा सुरक्षित रहे।
- हमने MITRA platform भी शुरू करवाया है, ताकि निवेशक यह ट्रैक कर सकें कि mutual fund के कौन-कौन से folios inactive हैं, ताकि KYC compliance सुनिश्चित हो सके और धोखाधड़ी की गुंजाइश भी न रहे।
- हमने intermediaries के लिए ‘1600’ की series वाले नंबर के जरिए ही निवेशकों को transactional calls या service calls करना अनिवार्य कर दिया है, ताकि निवेशक यह जान सकें कि उन्हें सही नंबर से ही फोन आ रहा है।
- हमने SCORES के platform (जो सेबी की शिकायत निवारण प्रणाली है) में भी बदलाव किए हैं। अब इस नए प्लेटफॉर्म के जरिए शिकायतें आसानी से अपने-आप ही auto-route हो जाती हैं, और साथ ही शिकायत का status भी track किया जा सकता है। इतना ही नहीं, शिकायत निवारण की व्यवस्था में सुधार लाने का भी काम किया गया है, और इसीलिए हमने शिकायत निवारण की समय-सीमाएँ भी घटा दी हैं।

यहाँ मैंने आपको जो-जो बताया, उससे आप यह समझ गए होंगे कि हम निवेशकों के हितों की रक्षा (investor protection) करने के साथ-साथ उनकी सहूलियत के हिसाब से उन्हें सुविधाएँ उपलब्ध कराने का भी काम कर रहे हैं।

आम लोगों के लिए - “भारत का शेयर बाजार” - पवेलियन

यह अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला हमारे लिए एक ऐसा सुनहरा अवसर है, जिसके जरिए हम लोगों को markets से जोड़ने की कोशिश कर सकते हैं, और इसीलिए हमने “भारत का शेयर बाजार” पवेलियन के जरिए इस अवसर का लाभ उठाने की एक छोटी-सी कोशिश की है। मुझे विश्वास

है कि इस पवेलियन के जरिए हम न सिर्फ लोगों को market की जानकारी देने का काम कर पाएँगे, बल्कि यह उनके लिए एक interactive learning experience भी साबित होगा ।

इस पवेलियन में जो भी लोग पधारेंगे, वे Live demo zones और service stations के जरिए और साथ ही market experts (बाजार के जानकारों) से रूबरू होकर यह जान पाएँगे कि आखिर securities market की व्यवस्था कैसे चलती है - खाते कैसे खुलवाए जाते हैं, सूझबूझ से निवेश कैसे करना चाहिए, निवेश (investment) के मामले में क्या-क्या एहतियात बरतनी होती है ।

मैं इस व्यापार मेले में आने वाले सभी लोगों को इस पवेलियन में आमंत्रित करता हूँ (फिर भले ही वे पहले से निवेश कर रहे हों या फिर निवेश करने की सोच रहे हों) कि आप यहाँ आएँ, हमारी टीम के लोगों से बातचीत करें, और अपने feedback दें । आपके सुझावों से हम investor education को और बेहतर करने का काम करेंगे । यही नहीं, बल्कि भविष्य में नीतियाँ बनाते समय भी हम आपके सुझावों पर गौर करेंगे, और उसी हिसाब से आगे की दिशा तय करेंगे ।

अंत में

आज जहाँ एक तरफ हम अपने देश की आर्थिक उन्नति का गुणगान कर रहे हैं, तो वहीं दूसरी तरफ हमें यह भी नहीं भूलना है कि - **“वास्तविक उन्नति का एकमात्र आसार, समृद्धि में हो जब हर कोई साझेदार”** । मैं तो यही कहूँगा कि शेयर बाजार (stock market) की उन्नति को महज आँकड़ों के लिहाज से नहीं, बल्कि इस लिहाज से भी देखना चाहिए कि इस market से उन करोड़ों लोगों की आकांक्षाएँ जुड़ी हुई हैं, जो अपने और देश के भविष्य को उज्ज्वल बनाने की खातिर इस market में निवेश कर रहे हैं ।

आइए, हम सब साथ मिलकर यह सुनिश्चित करें कि हर भारतीय इस सफर में साथी बने । अंत में, मैं आप सभी से यही कहूँगा कि - **“जानकार बनें, साथ आएँ - समृद्धि का परचम लहराएँ”** ।

आप सभी को धन्यवाद और इस पवेलियन में आपका पुनः स्वागत ।
